प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

18 फरवरी, 2015

मेले में पूर्वोत्तर की संस्कृति एवं साहित्य की झलक

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की थीम **सूर्योदय – पूर्वोत्तर भारत के उभरते स्वर** है। हॉल सं. 7–ई में लगे थीम पैवेलियन में पूर्वोत्तर भारत की साहित्यिक विविधता के दर्शन हो रहे हैं व प्रख्यात लेखकों के साथ पूर्वोत्तर के समृद्ध लेखन के विभिन्न पहलुओं पर पैनल चर्चाएँ, कार्यशालाएँ तथा परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन यहाँ आयोजित की जा रही रोमांचक गतिविधियाँ मेले में आने वाले लोगों को आकर्षित करने में सफल साबित हो रही हैं।

आज थीम मंडप पर द सेंटर फॉर ट्रेडिशनल एंड इंडिजीनस ऑर्ट्स द्वारा 'मणिपुरी लोक संगीत' की प्रस्तुति हुई। यह प्रस्तुति मंग्का व उनकी टीम लैहुई द्वारा प्रस्तुत की गई। यह संगीत कला स्त्रियों द्वारा प्रस्तुत की जाती है। इनके द्वारा प्रस्तुत किया गया संगीत व पारंपरिक पहनावा बहुत ही आकर्षक था। वहाँ की बोलियों से परिचित न होने के बावजूद सभी दर्शक इस संगीत कला का आनंद लेते नज़र आए।

थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'टकराव से परे : पूर्वोत्तर भारत की समकालीन कथाएँ' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसका संचालन एनबीटी के पूर्व निदेशक, निर्मल कांति भट्टाचार्जी द्वारा किया गया। विमर्शकर्ताओं में पूर्वोत्तर भारत की प्रसिद्ध कथाकार, जेनिस पैरिअट; लघु कथाकार, मित्र फुकन, अनुवादक एवं लेखक, अमृत ज्योति महंता उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री निर्मल कांति भट्टाचार्जी ने कहा, ''हम सब यह जानते हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र हमेशा से ही संघर्ष, हिंसा, उत्पीड़न तथा जातीय संघर्षों के कारण सुर्खियों में रहा है। हमें केवल इन्हीं मुद्दों पर प्रकाश न डालकर टकरावों से परे के विषयों पर ध्यान देना चाहिए।'' यहाँ पर उपस्थित विमर्शकर्त्ताओं ने इस विषय पर चर्चा की कि समकालीन साहित्य को विरोध से पृथक करना कठिन है तथा साहित्य पर इन संघर्षों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यहाँ आए पूर्वोत्तर के लेखकों द्वारा अपनी पुस्तकों के कुछ अंशों का भी पाठ किया गया। इस मंडप पर प्रशांत रेइजली द्वारा निर्देशित गुरखाली फिल्म 'कथा' का प्रदर्शन भी किया गया।

आज हॉल न. 8 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'विवेकानंद और भारतीय शिक्षा के बीच सामंजस्य पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता थे–प्रसिद्ध लेखक, डॉ. नरेंद्र कोहली तथा रचनाकार, पद्मश्री, श्याम सिंह शशि। कार्यक्रम में डॉ. नरेंद्र कोहली द्वारा स्वामी विवेकानंद के स्त्री तथा शिक्षा संबंधी विचारों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि विवेकानंद मानते थे कि नारी का एक ही रूप है वह है 'माँ'। शिक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि शिक्षा नौकरी के लिए नहीं

वरन चरित्र निर्माण के लिए होती है। चरित्र के बिना संपूर्ण शिक्षा व्यर्थ है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार स्वामी विवेकानंद पहले अपनी मातृभाषा का ज्ञान प्राप्त कर किसी और भाषा को जानने का प्रयास करते थे। यहाँ एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर ने कहा कि ''पुस्तकें तो हम पुस्तक केंद्रों से भी खरीद सकते हैं परंतु पुस्तक मेले में बने लेखक मंचों द्वारा पुस्तक प्रेमी अपने मनपसंद लेखकों से मिलकर उनके अनुभव साझा कर सकते हैं।" इस अवसर पर प्रदीप नारायण द्वारा लिखित पुस्तक 'स्वामी विवेकानंद का नारी दर्शन' का भी लोकार्पण किया गया।

बाल मंडप

पुस्तक मेले में बने बाल मंडप पर प्रतिदिन विभिन्न बाल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आज यहाँ भारत में नीदरलैंड के राजदूत आए और उन्होंने 'यिप और यानका' पुस्तक का लोकार्पण किया। नीदरलैंड के राजदूत ने इस पुस्तक पर बातचीत करते हुए कहा कि यह पुस्तक हॉलैंड की संस्कृति पर बात करती है तथा भारत में भी लोगों को यह पुस्तक अत्यंत पसंद आएगी। इससे पूर्व, एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला के माध्यम से एनबीटी बच्चों की प्रतिभा को उभारने तथा पुस्तकों के माध्यम से उनके ज्ञान को विस्तृत करने के अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर 'ए एंड ए ट्रस्ट' के श्री अरविंद कुमार तथा इस पुस्तक का हिंदी में अनुवाद करने वाली सुश्री अरुंधती देवस्थले भी उपस्थित थीं। यहाँ एलकॉन इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों द्वारा मंगलाचरण गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर दिल्ली तथा एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों तथा स्वयंसेवी संगठनों से आए 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इसके पश्चात 'हमें भी पढ़िए' पुस्तकों के महत्व पर एक नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें स्वयं पुस्तकों ने अपना परिचय दिया तथा उन्हें पढ़ने के लिए सभी को प्रेरित भी किया। बाल मंडप पर एनटीपीसी सचदेवा इंटरनेशनल स्कूल, फरीदाबाद के बच्चों द्वारा 'सुनहरा भविष्य' नामक बालिका शिक्षा पर आधारित नाटक का भी आयोजन किया गया। इस मंडप पर बच्चों को डॉ.रमेश बिजलानी तथा बिग्रे. टीपीएस चौधरी से मिलने का भी मौका मिला। डॉ. रमेश बिजलानी द्वारा अब तक चिकित्सा विज्ञान पर दस से अधिक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। एनबीटी द्वारा प्रकाशित इनकी पुस्तक 'अवर बॉडी' सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक है। इन्होंने हाल ही में एनबीटी द्वारा प्रकाशित अपनी पुस्तक 'काव्या मेक्स अप हर माइंड' के अंश पढ़कर बच्चों को सुनाए।

साहित्यिक हलचल

आज हॉल सं. 12 में राजकमल प्रकाशन द्वारा पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लेखिका भावना शेखर की पुस्तक 'सांझ का नीला किवाड़' लोकार्पित हुई। इस अवसर पर श्री लीलाधर मंडलोई; साहित्यकार, श्री दिविक रमेश; लेखक, प्रताप सहगल उपस्थित थे।

इसी हाल में एक अन्य कार्यक्रम 'हिंदी गज़ल की नई पीढ़ी' आयोजित किया गया जहाँ अनेक प्रसिद्ध शायर, गज़लकार एवं व्यंग्यकार उपस्थित थे।

हॉल नं. 11 में बने लेखक मंच 'रिफ्लेक्शंस' में आज विज़्डम विलेज प्रकाशन द्वारा प्रथम आईपीएस अधिकारी, किरण बेदी तथा पवन चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक 'स्वच्छ भारत की जाँच सूची' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर किरण बेदी ने पुस्तक प्रेमियों को अपनी पुस्तक के बारे में बताते हुए कहा ''स्वच्छता हमारे चरित्र का आधार है। हमें गंदी दिल्ली से गुणवान दिल्ली बनानी है।'' इस अवसर पर दो अन्य पुस्तकें 'नेक व्यक्ति कैसे जीते?' तथा 'कायदे के फायदे' का विमोचन भी हुआ।

विदेशी मंडप

मेले में कोरियाई संस्कृति भारतीयों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। भारत में कोरियाई संस्कृति को ताजा करने के लिए कोरियन सांस्कृतिक केंद्र (केसीसी) द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्कूली बच्चों को हस्त पंखा दिया गया जिसमें उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करना था। सभी बच्चों ने पंखे पर अलग–अलग प्रकार की चित्रकारी की। इस तरह की कार्यशालाएँ भारतीयों को कोरियाई संस्कृति की ओर उत्साहित करना चाहती हैं।